**संख्या-4/1459/38-4-14-10(बजट)/2013**

प्रेषक,

कामता प्रसाद,
अनु सचिव,
उ0प्र0 शासन।

सेवा में,

आयुक्त,
ग्राम्य विकास,
उ0प्र0 लखनऊ।

**ग्राम्य विकास अनुभाग-4** **लखनऊ दिनांक 29 दिसम्बर, 2014**

विषय- लोहिया ग्रामीण आवास योजना के कार्यान्वयन हेतु वित्तीय वर्ष 2014-15 के लिये अनुदान संख्या-13 में वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-915/सम्प्रेक्षा/इ0आ0यो0/2014, दिनांक-09 दिसम्बर, 2014 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि लोहिया ग्रामीण आवास योजना के कार्यान्वयन हेतु वित्तीय वर्ष 2014-15 के लिये आय-व्ययक में अनुदान संख्या-13 में प्राविधानित धनराशि रू0-158411.00 लाख मे से अवशेष धनराशि रू0-45856.90 लाख की वित्तीय स्वीकृति दी जा चुकी है। उक्त प्राविधानित धनराशि के अवशेष धनराशि में से रू0-645.42 करोड़ (रूपये छः सौ पैतालिस करोड़ बयालिस लाख मात्र) धनराशि की वित्तीय स्वीकृति श्री राज्यपाल महोदय निम्न प्रतिबन्धों/शर्तो के अधीन प्रदान करते है:-

1- स्वीकृत की जा रही धनराशि योजना के शासनादेश संख्या-107/38-4-13-05(बजट)/2012, दिनांक-20-02-2013 में निहित प्राविधानों कें अन्तर्गत व्यय की जायेगी। साथ ही वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के शासनादेश सं0-बी0-1-2457/दस-2014-231/2014, दिनांक-22 जुलाई, 2014 एवं शासनादेश दिनांक 26-82014 में प्रावधिनों का अनुपालन भी सुनिश्चित किया जायेगा।

2- स्वीकृत की जा रही धनराशि में यदि कोई विचलन पाया जाता है, तो उसके लिये आयुक्त, ग्राम्य विकास स्तर पर वित्त नियंत्रक एवं जिले स्तर पर मुख्य विकास अधिकास सीधे जिम्मेदार होंगे।

3- उक्त धनराशि का व्यय तभी किया जयेगा जब योजनान्तर्गत ग्रामों के चयनित लाभार्थियों की सूची मुख्य विकास अधिकारी के सत्यापन के उपरान्त संयुक्त रूप जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित हो।

4- जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी द्वारा सूची प्रतिहस्ताक्षरित होने के उपरान्त शासी निकाय के अनुमोदनोपरान्त लाभार्थी के बैंक खाते में धनराशि हस्तानान्तरित की जायेगी।

5- स्वीकृत की जा रही धनराशि को किसी अन्य मद में व्यय नहीं किया जायेगा। कोई ऐसा व्यय जिसके लिये वित्तीय हस्तपुस्तिका तथा बजट मैनुअल के नियमों के अन्तर्गत शासन या अन्य सक्षम प्राधिकारी की पूर्व स्वीकृति आवश्यक होगी, उसके पश्चात ही किया जायेगा।

6- समस्त व्यय प्रश्नगत योजना हेतु योजना की शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन किया जायेगा। यह भी सुनिश्चित किया जायेगा कि आहरित धनराशि का उपयोग समय से कर लिया जाये।

7- इस शासनादेश में उल्लिखित शर्तों का कड़ाई से अनुपालन विभाग में तैनात वित्त नियंत्रक/लेखाधिकारी जैसी भी स्थिति हो, के द्वारा किया जायेगा।

2/-



http://shasanadesh.up.nic.in

2- तत्सम्बन्धी व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-13 के अधीन लेखाशीर्षक-4216-आवास पर पूॅजीगत परिव्यय-03-ग्रामीण आवास-आयोजनागत- 800-अन्य व्यय-03-लोहिया ग्रामीण आवास योजना-24-वृहद निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।

3- यह आदेश वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के शासनादेश सं0-बी0-1-2457/दस-2014-231/2014, दिनांक-22 जुलाई, 2014 में प्राविधानित अधिकारों के अन्तर्गत जारी किया जा रहा है।

भवदीय,

(कामता प्रसाद)
अनु सचिव।

संख्या-4/1459(1)/38-4-2014, तद्दिनांक-

उपर्युक्त की प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1- महालेखाकार, उ0प्र0, इलाहाबाद।
2- समस्त मण्डलायुक्त, उ0प्र0।
3-सम्बन्धित जनपद के जिलाधिकारी।
4- अपर आयुक्त (लेखा), ग्राम्य विकास, उ0प्र0।
3- समस्त संयुक्त विकास आयुक्त, उ0प्र0।
4- सम्बन्धित जनपद के मुख्य विकास अधिकारी/परियोजना निदेशक एवं जिला विकास अधिकारी, उ0प्र0।
5- परियोजना निदेशक, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण, लखनऊ।
6- निदेशक, कोषागार, उ0प्र0, लखनऊ।
7-मुख्य कोषाधिकारी, जवाहर भवन, लखनऊ।
8- सम्बन्धित जनपदों के मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी, उ0प्र0।
9- वित्त (व्यय-नियंत्रण) अनुभाग-2/ वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-2
10- राज्य योजना आयोग अनुभाग-2/ नियोजन अनुभाग-4
12- ग्राम्य विकास अनुभाग-3।
13- गार्ड बुक।

आज्ञा से,

(कामता प्रसाद)
अनु सचिव।

http://shasanadesh.up.nic.in